Under CSR Support by
ipca | Foundation

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



कक्षा - 11

भूगोल

भारत भौतिक पर्यावरण

अध्याय-4 : जलवायु

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

ओम प्रकाश खोजा

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



1 शीतकाल में लद्दाख के द्रास का तापमान कितना रहता है?

अ 20°C

ब 30°C

स 45°C

द -45°C

द्रास व दिसम्बर
ऊ
-५५°C

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER

2 चेरापूँजी व मॉसिनराम में वर्षा होती है–

अ 100 सेमी.

ब 50 सेमी.

स 1080 सेमी.

द 450 सेमी.



3 एल-निनो एक अस्थाई गर्म जलधारा है जो किस ठंडी जलधार के स्थान पर उत्पन्न होती है ?

अ हम्बोल्ट धारा

ब बेंगुला धारा

स कनारी धारा

द कैलिफोर्निया धारा



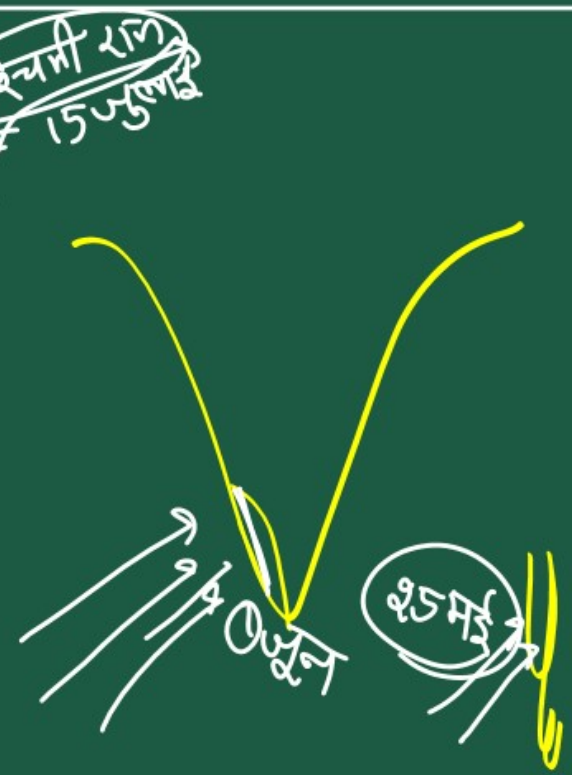
4 भारत की मुख्य भूमि पर दक्षिणी-पश्चिमी मानसून केरल के तट पर कब पहुँचता है ?

अ 15 जुलाई

ब 1 जून

स 10 जून

द 15 जून





5 मानसून पूर्व की वर्षा "फूलों वाली बौछार" होती है–

अ केरल में

ब महाराष्ट्र में

स पश्चिम बंगाल में

द असम में

कहवा उत्पादन क्षेत्र

आम्र वर्षा

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



6 "कार्तिक मास की ऊष्मा" कौनसी ऋतु में देखने को मिलती है?

अ वर्षा ऋतु में

ब शीत ऋतु में

स ग्रीष्म ऋतु में

द मानसून निवर्तन ऋतु में

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



7 हरित गृह प्रभाव उत्पन्न करने वाली गैसें कौन-कौनसी हैं?



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

7 हरित गृह प्रभाव उत्पन्न करने वाली गैसें कौन-कौनसी हैं?

उत्तर :

- कार्बन डाईऑक्साइड (CO_2)
- नाइट्रस ऑक्साइड
- ओजोन
- क्लोरो-फ्लोरो-कार्बन

CFC

मीथेन



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





8 भारत की परम्परागत ऋतुएँ कौन-कौनसी है? इन ऋतुओं से सम्बन्धित भारतीय कैलेंडर व ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार महीनें भी लिखिए।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



उत्तर :

ऋतु	भारतीय कैलेंडर के अनुसार महीने	ग्रेगोरियन कैलेंडर के अनुसार महीने
बसंत	चैत्र-बैसाख	मार्च-अप्रैल
ग्रीष्म	ज्येष्ठ-आषाढ़	मई-जून
वर्षा	श्रावण-भाद्रपद	जुलाई-अगस्त
शरद	आश्विन-कार्तिक	सितंबर-अक्टूबर
हेमंत	मार्गशीष-पौष	नवंबर-दिसंबर
शिशिर	माघ-फाल्गुन	जनवरी-फरवरी

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



9 तमिलनाडु का तट वर्षा ऋतु में शुष्क क्यों रहता है?



9 तमिलनाडु का तट वर्षा ऋतु में शुष्क क्यों रहता है?

उत्तर :

तमिलनाडु तट वर्षा ऋतु शुष्क रहता है, जिसके लिए उत्तरदायी कारक –

- तमिलनाडु तट बंगाल की खाड़ी की मानसून पवनों के समानांतर पड़ता है।
- यह दक्षिण-पश्चिमी मानसून की अरब सागर शाखा का वृष्टि छाया प्रदेश है।



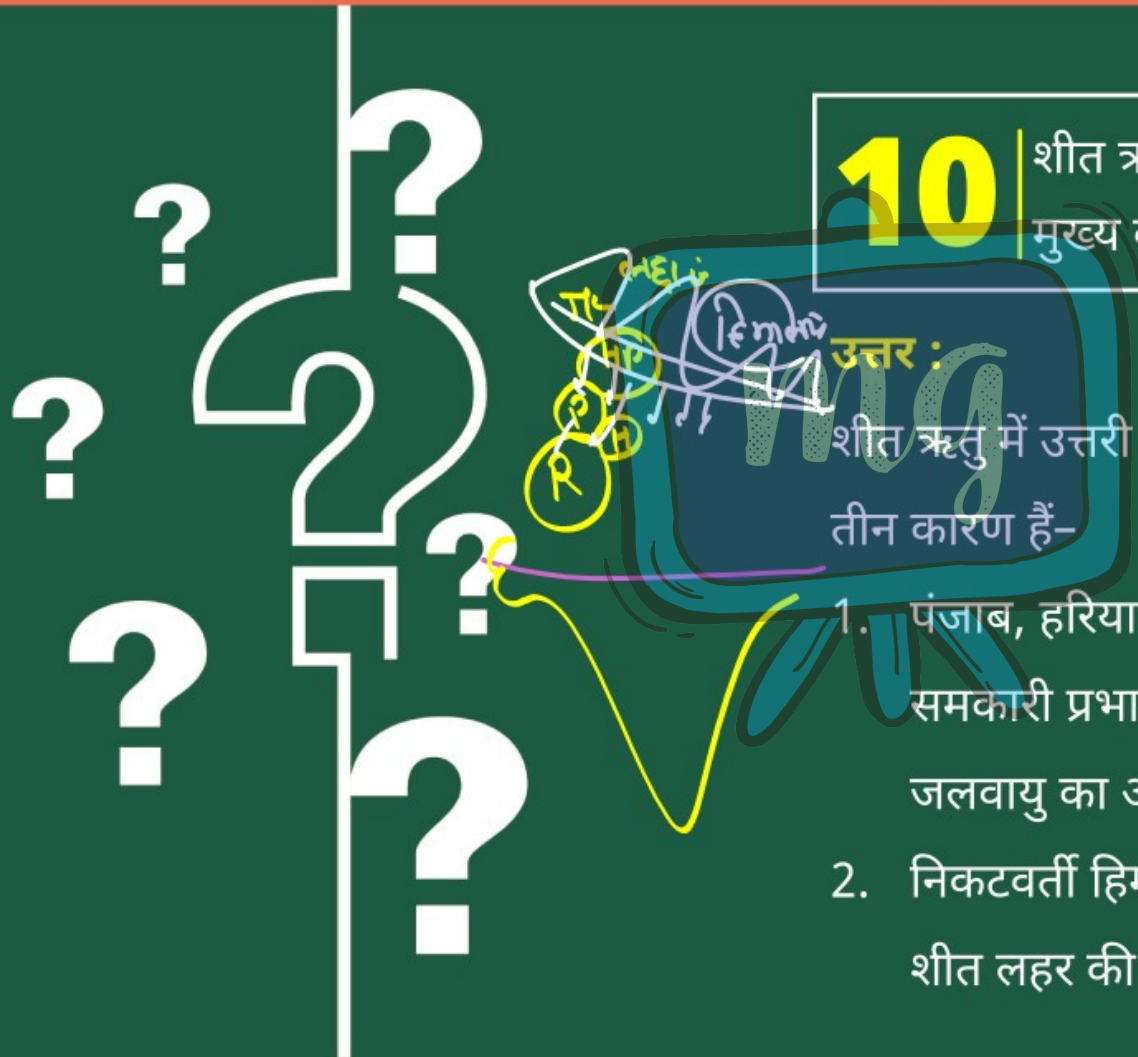
अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



10 शीत ऋतु में उत्तरी भारत में अधिक ठंड पड़ने के मुख्य कारण क्या है?



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



10 शीत ऋतु में उत्तरी भारत में अधिक ठंड पड़ने के मुख्य कारण क्या है?

उत्तर :

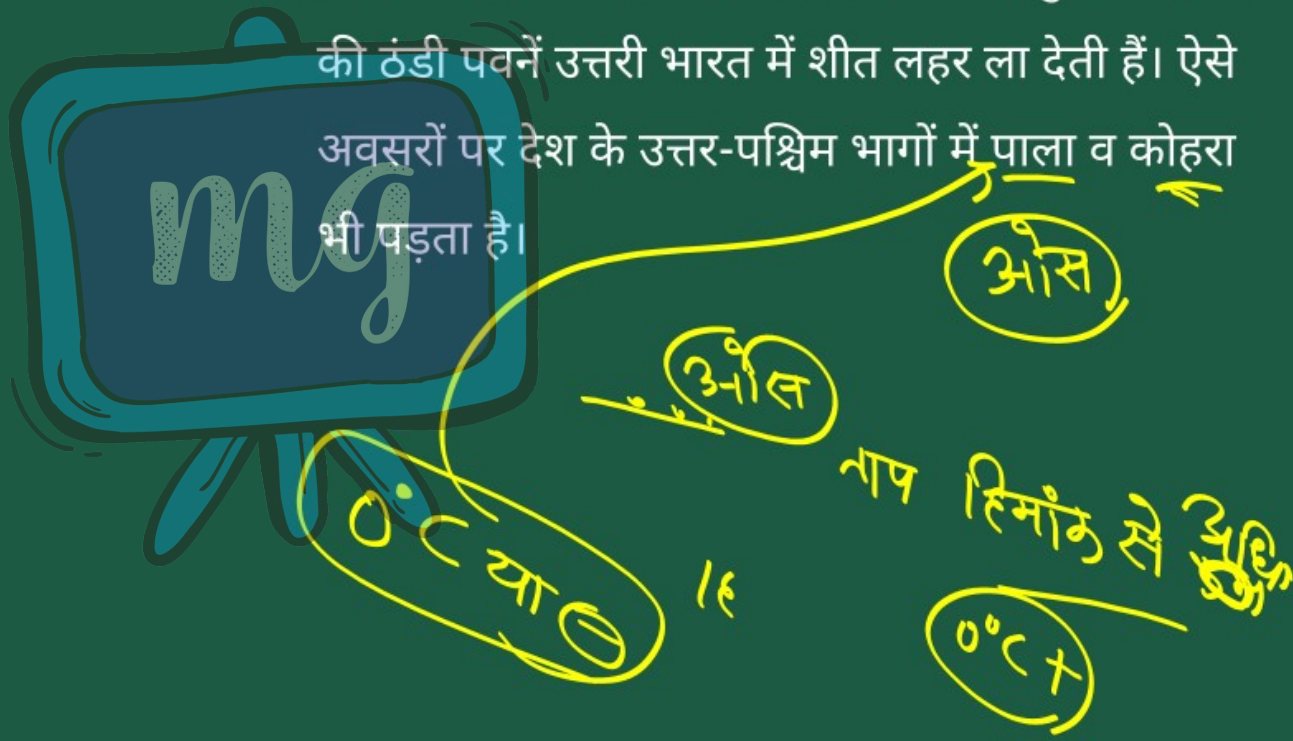
शीत ऋतु में उत्तरी भारत में अधिक ठंड पड़ने के मुख्य रूप से तीन कारण हैं–

1. पंजाब, हरियाणा और राजस्थान जैसे राज्य समुद्र के समकारी प्रभाव से दूर स्थित होने के कारण महाद्वीपीय जलवायु का अनुभव करते हैं।
2. निकटवर्ती हिमालय की श्रेणियों में हिमपात के कारण शीत लहर की स्थिति उत्पन्न हो जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



3. फरवरी के आस-पास कैस्पियन सागर और तुर्कमेनिस्तान की ठंडी पवनें उत्तरी भारत में शीत लहर ला देती हैं। ऐसे अवसरों पर देश के उत्तर-पश्चिम भागों में पाला व कोहरा भी पड़ता है।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



11 भारत की जलवायु में प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए ?

11 भारत की जलवायु में प्रभावित करने वाले कारकों का वर्णन कीजिए ?

उत्तर :

भारत की जलवायु को नियंत्रित करने वाले अनेक कारक हैं-

☛ अक्षांश

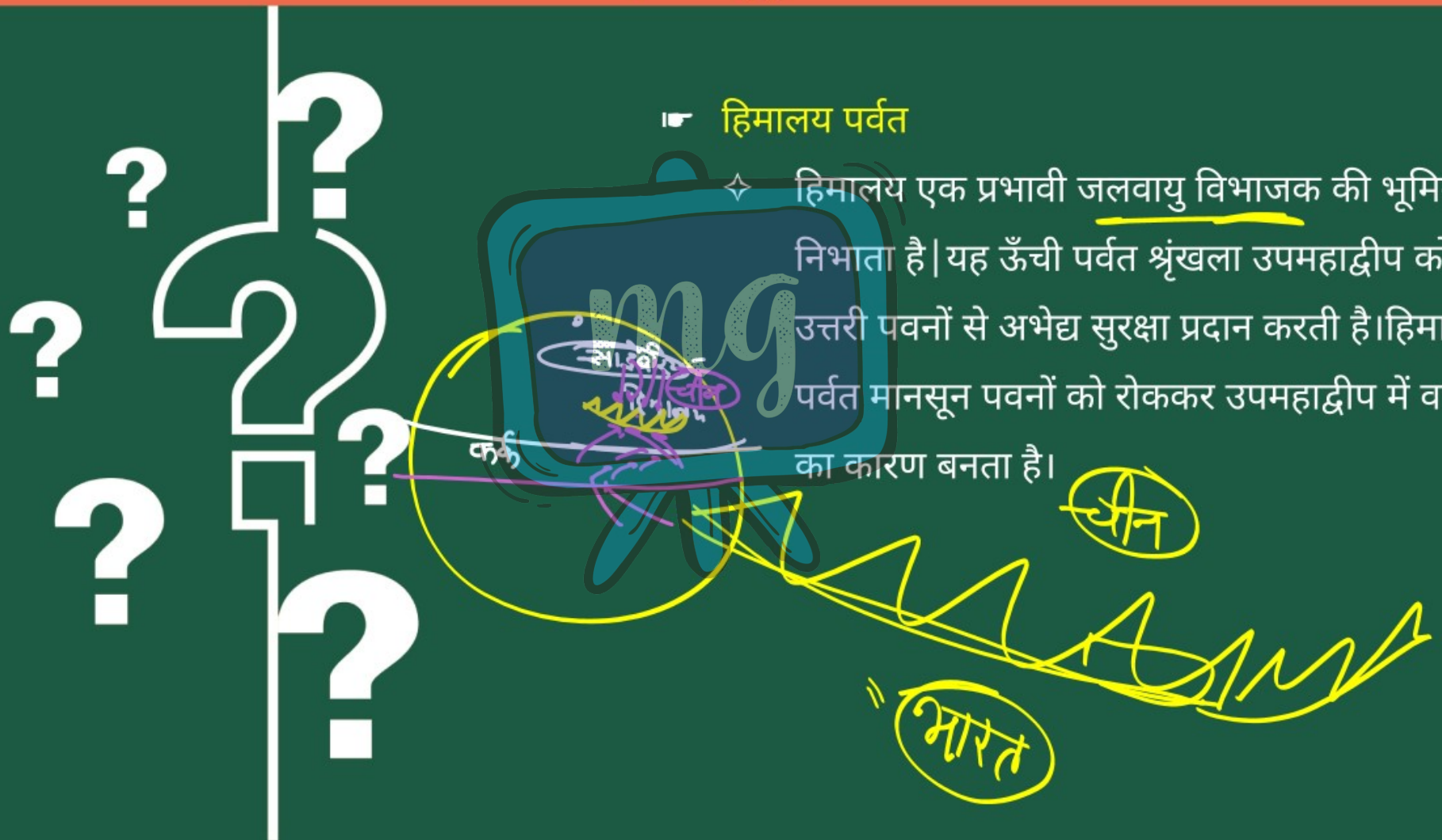


कर्क रेखा पूर्व-पश्चिम दिशा में देश के मध्य भाग से गुज़रती है। इस प्रकार भारत का उत्तरी भाग शीतोष्ण कटिबंध में और कर्क रेखा के दक्षिण में स्थित भाग उष्ण कटिबंध में पड़ता है।

Under CSR Support by
ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan
LET'S LEARN TOGETHER



☛ हिमालय पर्वत

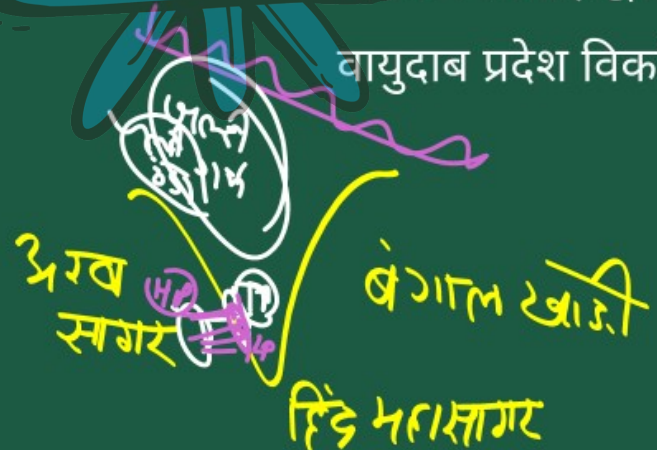
✧ हिमालय एक प्रभावी जलवायु विभाजक की भूमिका निभाता है| यह ऊँची पर्वत श्रृंखला उपमहाद्वीप को उत्तरी पवनों से अभेद्य सुरक्षा प्रदान करती है।हिमालय पर्वत मानसून पवनों को रोककर उपमहाद्वीप में वर्षा का कारण बनता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



☛ जल और स्थल का वितरण

✧ भारत के दक्षिण में तीन ओर हिंद महासागर व उत्तर की ओर ऊँची व अविच्छिन्न पर्वत श्रेणी है। स्थल की अपेक्षा जल देर से गर्म होता है और देर से ठंडा होता है। जल और स्थल के इस विभेदी तापन के कारण भारतीय उपमहाद्वीप में विभिन्न ऋतुओं में विभिन्न वायुदाब प्रदेश विकसित हो जाते हैं।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





☛ समुद्र तट से दूरी

✧ लंबी तटीय रेखा के कारण भारत के विस्तृत तटीय प्रदेशों में समकारी जलवायु पायी जाती है। भारत के अंदरूनी भाग समुद्र के समकारी प्रभाव से वंचित रह जाते हैं।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



☛ समुद्र तल से ऊँचाई

✧ ऊँचाई के साथ तापमान घटता है।विरल वायु के कारण पर्वतीय प्रदेश मैदानों की तुलना में अधिक ठंडे होते हैं। उदाहरणतः आगरा और दार्जिलिंग एक ही अक्षांश पर स्थित हैं किंतु जनवरी में आगरा का तापमान 16° सेल्सियस जबकि दार्जिलिंग में यह 4° सेल्सियस होता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न





☛ उच्चावच

✧ भारत का भौतिक स्वरूप अथवा उच्चावच तापमान, वायुदाब, पवनों की गति एवं दिशा तथा ढाल की मात्रा और वितरण को प्रभावित करता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



12 अरब सागरीय मानसूनी पवनें कितनी शाखाओं में विभाजित हैं? समझाइए।



Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



12 अरब सागरीय मानसूनी पवनें कितनी शाखाओं में विभाजित हैं? समझाइए।

उत्तर :

अरब सागर से उत्पन्न होने वाली मानसून पवनें आगे तीन शाखाओं में बँटती हैं

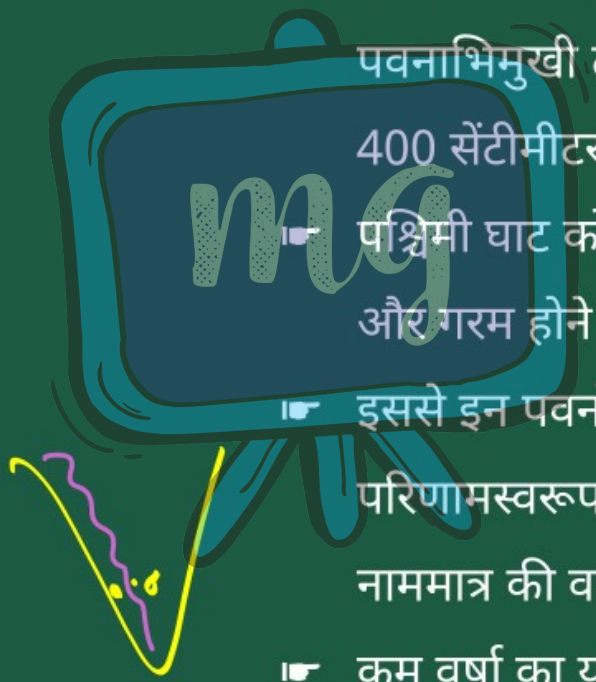
प्रथम शाखा

☛ ये पवनें पश्चिमी घाट की ढलानों पर 900 से 1200 मीटर की ऊँचाई तक चढ़ती हैं।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

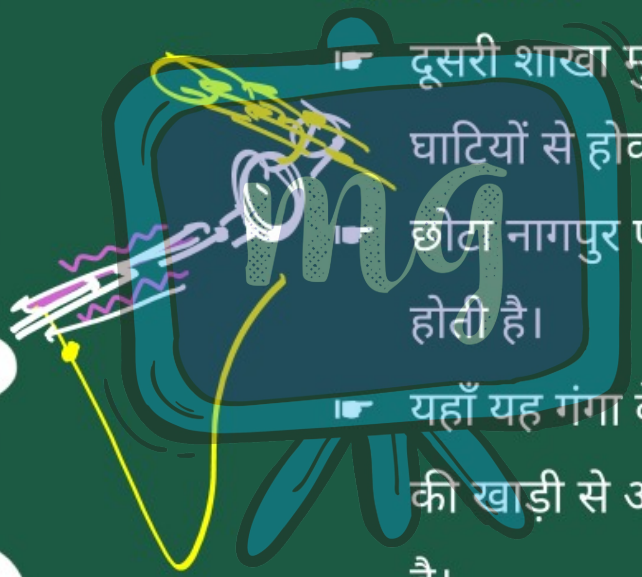




- अतः ये पवनें तत्काल ठंडी होकर सह्याद्रि की पवनाभिमुखी ढाल तथा पश्चिमी तटीय मैदान पर 250 से 400 सेंटीमीटर के बीच भारी वर्षा करती हैं।
- पश्चिमी घाट को पार करने के बाद ये पवनें नीचे उतरती हैं और गरम होने लगती हैं।
- इससे इन पवनों की आर्द्रता में कमी आ जाती है। परिणामस्वरूप पश्चिमी घाट के पूर्व में इन पवनों से नाममात्र की वर्षा होती है।
- कम वर्षा का यह क्षेत्र वृष्टि-छाया क्षेत्र कहलाता है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

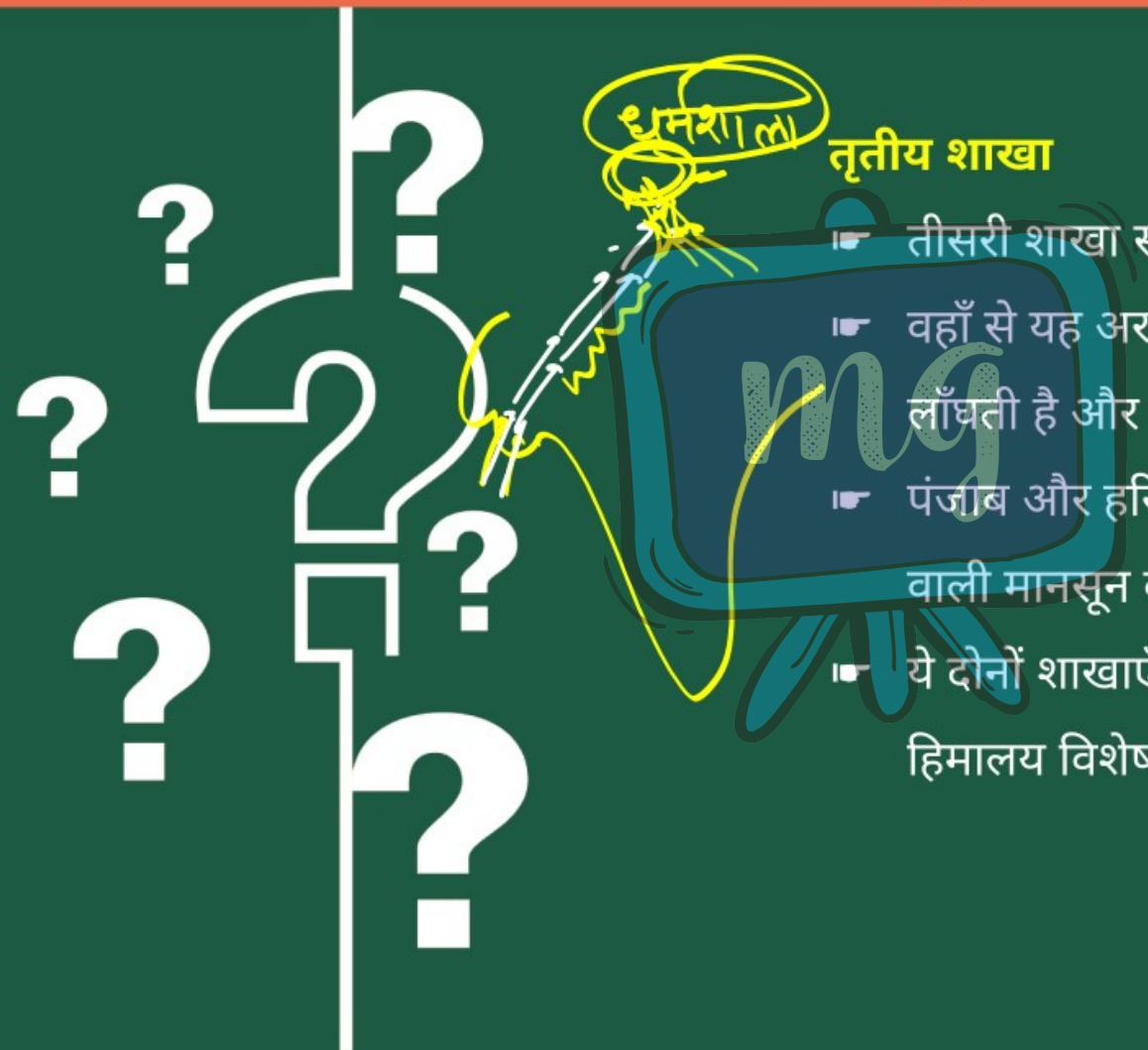




द्वितीय शाखा

- दूसरी शाखा मुंबई के उत्तर में नर्मदा और तापी नदियों की घाटियों से होकर मध्य भारत में दूर तक वर्षा करती है।
- छोटा नागपुर पठार में इस शाखा से 15 सेंटीमीटर वर्षा होती है।
- यहाँ यह गंगा के मैदान में प्रवेश कर जाती है और बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसून की शाखा से मिल जाती है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



तृतीय शाखा

- तीसरी शाखा सौराष्ट्र प्रायद्वीप और कच्छ से टकराती है।
- वहाँ से यह अरावली के साथ-साथ पश्चिमी राजस्थान को लाँघती है और बहुत ही कम वर्षा करती है।
- पंजाब और हरियाणा में भी यह बंगाल की खाड़ी से आने वाली मानसून की शाखा से मिल जाती है।
- ये दोनों शाखाएँ एक दूसरे के सहारे प्रबलित होकर पश्चिमी हिमालय विशेष रूप से धर्मशाला में वर्षा करती हैं।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



13 भारत में वर्षा वितरण को विस्तार पूर्वक समझाइए।



अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



13 भारत में वर्षा वितरण को विस्तार पूर्वक समझाइए।

उत्तर :

भारत में औसत वार्षिक वर्षा लगभग 125 सेंटीमीटर है। भारत में वर्षा वितरण के क्षेत्रों को चार भागों में विभाजित किया गया है –

अधिक वर्षा वाले क्षेत्र ⇒ 200 सेमी० से अधिक

☛ अधिक वर्षा पश्चिमी तट, पश्चिमी घाट, उत्तर-पूर्व के उप-हिमालयी क्षेत्र तथा मेघालय की पहाड़ियों पर होती है।

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न



- यहाँ वर्षा 200 सेंटीमीटर से अधिक होती है।
- खासी और जयंतिया पहाड़ियों के कुछ भागों में वर्षा 100 सेंटीमीटर से भी अधिक होती है।
- ब्रह्मपुत्र घाटी तथा निकटवर्ती पहाड़ियों पर वर्षा 200 सेंटीमीटर से भी कम होती है।

मध्यम वर्षा के क्षेत्र → 100 – 200 सेमी.

- गुजरात के दक्षिणी भाग, पूर्वी तमिलनाडु, ओडिशा सहित उत्तर-पूर्वी प्रायद्वीप, झारखंड, बिहार, पूर्वी मध्य प्रदेश, उपहिमालय के साथ संलग्न गंगा का उत्तरी मैदान, कछार घाटी और मणिपुर में वर्षा 100 से 200 सेंटीमीटर के बीच होती है।

Under CSR Support by ipca | Foundation

अन्य महत्वपूर्ण प्रश्न

missiongyan LET'S LEARN TOGETHER



न्यून वर्षा के क्षेत्र

- पश्चिमी उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, जम्मू व कश्मीर, पूर्वी राजस्थान, गुजरात तथा दक्कन के पठार पर वर्षा 50 से 100 सेंटीमीटर के बीच होती है।

अपर्याप्त वर्षा के क्षेत्र

- प्रायद्वीप के कुछ भागों विशेष रूप से आंध्र प्रदेश, कर्नाटक और महाराष्ट्र में, लद्दाख और पश्चिमी राजस्थान के अधिकतर भागों में 50 सेंटीमीटर से कम वर्षा होती है।